पाठ 19. ऋतुराज वसंत

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता ऋतुओं के राजा 'वसंत' के आने की सूचना दे रही है। इस कविता का उद्देश्य वसंत के आगमन से प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों से बच्चों को अवगत करवाना है।

पाठ का सारांश

एक बालक अपनी माँ से कह रहा है कि ऋतुओं का राजा वसंत आ गया है। वसंत के आने पर हर डाली महक रही है। कोयल मधुर संगीत सुना रही है। भौंरे फूल-फूल पर मँडरा रहे हैं। ठंडी-ठंडी हवा के झोंके वातावरण को शीतलता प्रदान कर रहे हैं। खेतों में पीले-पीले सरसों के फूल सोने की तरह चमक रहे हैं। प्रकृति झूम-झूमकर वसंत का स्वागत कर रही है। ऋतुराज वसंत चारों तरफ़ खुशियाँ बिखेर रहा है।

अध्यापन संकेत

कविता की पंक्तियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को बताएँ कि 'वसंत' को ऋतुओं का राजा कहा जाता है। वसंत आने पर चारों ओर का वातावरण खिल उठता है तथा प्रकृति की सुंदरता देखते ही बनती है। कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। कविता की पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट करें–

मृदु मंद .... ऋतुराज री!– इन पंक्तियों का अर्थ है कि माँ, देखो यह वसंत की ऋतु आ गई है। वसंत ऋतु के आने से धरती पर चारों ओर फूलों की सुगंध बिखेरती हवा धीरे-धीरे सर-सर की ध्वनि करती हुई चल रही है। यह हवा जैसे ही धरती को छूती है, सारी धरती शीतल हो जाती है।

फूली सरसों .... ऋतुराज री!– इन पंक्तियों का अर्थ है कि वसंत के मौसम में खेतों में सरसों फूलने लगी है और सरसों पर पड़ने वाली सूरज की किरणें सोने की भाँति चमक उत्पन्न कर रही हैं। इस चमक के बिखरने से सारा खेत सोने जैसी सुंदर आभा से सज गया है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- भारत को ऋतुओं का देश क्यों कहा जाता है?
- वसंत ऋतु को ही ऋतुओं का राजा कहा जाता है, ऐसा क्यों?
- ऋतुओं की रानी किसे माना जाता है?
- बच्चों से पूछें, कि वसंत पंचमी के दिन सरस्वती की पूजा क्यों की जाती है? उन्हें बताएँ, वसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी सरस्वती का जन्मदिन होता है इसीलिए माघ महीने के शुक्ल पक्ष के पाँचवे दिन सरस्वती पूजा की जाती है।
  बच्चों को यह भी बताएँ कि वसंत पंचमी के दिन से ही वसंत ऋतु का आरंभ होता है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।